भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-4777
सोमवार, 22 जुलाई, 2019/31 आषाढ़, 1941 (शक)

नौकरियां खोना

4777. श्री रितेश पाण्डेयः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आगामी दस वर्षों में ऑटोमेशन के कारण अनुमानतः कितने कामगार रोजगार खो देंगे; और
(ख) वैकल्पिक रोजगारों हेतु इन कामगारों को पुनःप्रशिक्षित करने के लिए योजनागत उपाय और विद्यमान उपाय क्या हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ख): नेशनल ऐसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एवं सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) के अनुसार, भारतीय आईटी/आईटीईएस उद्योग वित्त वर्ष 2018-19 (ई) को 41.38 लाख व्यक्तियों को नियोजित किया है, जो कि विगत वर्ष से लगभग 1.7 लाख कर्मचारी अधिक है। प्रौद्योगिकी स्वचलन ने कामगारों का प्रतिस्थापन नहीं किया है, बल्कि उत्पादकता में सुधार किया है और कामगारों को जटिल निर्णय लेने तथा सामाजिक संपर्क बढ़ाने सहित अन्य कार्यों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए समय प्रदान किया है। बल्कि, नई प्रौद्योगिकी के अपनाने से रोजगार सृजित होते हैं, उत्पादकता बढ़ती है तथा कुशल श्रम की मांग में वृद्धि होती है। भारतीय आईटी-आईटीईएस उद्योग लगातार वास्तविक नियोक्ता बना हुआ है और यह रोजगार के दौरान प्रशिक्षण प्रदान करता है।

आईटी उद्योग में एक रूपांतकारी परिवर्तन हो रहा है। इसके पणधारक, जिसमें उद्योग, शैक्षणिक समुदाय एवं क्षेत्रीय कौशल परिषदें शामिल हैं, यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि विद्यमान कार्यबल को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों तथा रोजगार भूमिकाओं के अनुरूप पुनः-कौशलयुक्त/उच्च-कौशलयुक्त बनाया जाए। इन आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए, नैसकॉम, उद्योग एवं शैक्षणिक समुदाय के साथ परामर्श से, आईटी क्षेत्र के कर्मचारियों हेतु "प्रौद्योगिकी समर्थ पुनः – कौशलीकरण/उच्च-कौशलीकरण ढांचा" विकसित किया गया है जिसमें सरकार समर्थकारी/सहायक के रूप में कार्य कर रही है। इस पहल के माध्यम से उद्योग एवं सरकार पांच वर्षों की अवधि में आईटी क्षेत्र के कुल 2 मिलियन कर्मचारियों को पुनः-कौशलयुक्त/उच्च-कौशलयुक्त बनाने हेतु एक साथ आए हैं। नई एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में कर्मचारी के पुनः-कौशलीकरण एवं उच्च-कौशलीकरण में सहयोग करने तथा इसे सुदृढ़ बनाने के लिए एमईआईटीवाई ने नैसकॉम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, प्रशिक्षण महानिदेशालय ने भी वर्ष 2018 में भू-सूचना विज्ञान सहायक, वैमानिकी ढांचा और उपकरण फिटर, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीशियन (3 डी प्रिंटिंग), ड्रोन पायलट, इलेक्ट्रीशियन पावर डिस्ट्रीब्यूशन, टेक्निकल मेकैट्रोनिक्स, सोलर टेक्निशियन (इलेक्ट्रिकल), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (स्मार्ट एग्रीकल्चर, स्मार्ट हेल्थ केयर एंड स्मार्ट सिटी), मृदा परीक्षण एवं फसल प्रबंधन तथा फायरमैन आदि जैसे नए ट्रेड शुरू किए हैं।

*****